

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...



अमृतवेला

जो कल्प-कल्प का पूज्य होगा उसकी निशानी क्या होगी? सिवाए बाप के, और कहाँ भी आंख नहीं झूबेगी। यह बहुत अच्छा है, यह बहुत अच्छी चीज है-नहीं। पूज्य आत्माओं के आगे स्वयं सब व्यक्ति और वैभव झुकते हैं। जो इष्ट देव होते हैं, भक्त लोग स्वयं बढ़िया ते बढ़िया अच्छी चीज इष्ट के आगे भेंट चढ़ाएंगे। इष्ट उन चीजों पर प्रभावित नहीं होगा लेकिन वो चीजें स्वयं उसके आगे झुकेंगी। तो पूज्य की निशानी है-एक बाप के सिवाए कहाँ भी मन-बुद्धि का झुकाव नहीं। मानो कोई ब्राह्मण आत्मा, पूज्य आत्मा कहे कि आज क्रोध के वश हो गई, लोभ के वश हो गई, अभिमान के वश हो गई-तो यह झुकना हुआ या झुकाना हुआ? तो पूज्य कभी झुकता नहीं। कोई पूज्य सदा पूजे जाते हैं और कोई-कोई की कभी पूजा होती है, कोई की विधिपूर्वक होती है और कोई की काम-चलाऊ पूजा होती है। मन्दिरों में भी फर्क होता है ना। तो यहाँ भी ऐसे है। जो विधिपूर्वक श्रीमत को अपनाते नहीं, काम-चलाऊ, चलो अमृतवेले उठना है, बैठना है, कोई देखे नहीं, कोई कहे नहीं कि यह उठा नहीं, फिर चाहे बाप से मिलन मनाये या निद्रा से मिलन मनाये। यह काम-चलाऊ हो गया ना। अमृतवेले उठा, बैठा लेकिन विधिपूर्वक नहीं। तो मूर्ति को भी बिठा देते हैं लेकिन पूजा विधिपूर्वक नहीं होती है।

AMRITVELA

What would be the sign of the one who is worshiped every cycle ? Apart from the Father , the eyes will not sink anywhere else. It's great , it's a great thing - no. All people and wealth themselves bow before the worshipable souls. The devotees themselves will offer the best of the best things to the God who is their favorite. Ishta will not be affected by those things but those things themselves will bow before him. So, the sign of being worthy of worship is that there is no inclination of the mind and intellect anywhere except on the one Father. If a Brahmin soul says that today he has been influenced by anger , greed , pride - is it bowing down or bowing down ? So the worshiper never bows down. **Some deities are worshipped all the time and some are worshipped only occasionally , some are worshipped methodically and some are worshiped temporarily. There is a difference between the temples too, isn't there? So it is like this here too. Those who do not follow shrimat methodically , let 's get up at Amrit vela .Have to sit , no one should see , no one should say that he did not get up , whether he wants to meet the Father or sleep. It has become casual, Woke up at amrit vela , sat down but not methodically. So the idol is also made to sit but the worship is not done properly.**





मैं बाप का शो करने वाली
आत्मा हूँ

Happiness is a nutritious food
that we should eat and share
with others



ब्रह्माबाप की शिक्षा देने की विधि

बापदादा- 18.01.1997

ब्रह्मा बाप को देखा, कैसा भी बच्चा हो, शिक्षादाता बन शिक्षा भी देते लेकिन शिक्षा के साथ प्यार भी दिल में रखते। और प्यार कोई बाहों का नहीं, लेकिन प्यार की निशानी है - अपनी शुभ भावना से, शुभ कामना से कैसी भी माया के वश आत्मा को परिवर्तन करना। कोई भी है, कैसी भी है, घृणा भाव नहीं आवे, यह तो बदलने वाले ही नहीं हैं, यह तो हैं ही ऐसे। नहीं। अभी आवश्यकता है रहमदिल बनने की क्योंकि कई बच्चे कमजोर होने के कारण अपनी शक्ति से कोई बड़ी समस्या से पार नहीं हो सकते, तो आप सहयोगी बनो। किससे? सिर्फ शिक्षा से नहीं, आजकल शिक्षा, सिवाए प्यार या शुभ भावना के कोई नहीं सुन सकता। यह तो फाइनल रिजल्ट है, शिक्षा काम नहीं करती लेकिन शिक्षा के साथ शुभ भावना, रहमदिल यह सहज काम करता है। जैसे ब्रह्मा बाप को देखा, मालूम भी होता कि आज इस बच्चे ने भूल की है, तो भी उस बच्चे को शिक्षा भी तरीके से, युक्ति से देता और फिर उसको बहुत प्यार भी करता, जिससे वह समझ जाते कि बाबा का प्यार है और प्यार में गलती के महसूसता की शक्ति उसमें आ जाती।

Om Shanti

सदा प्रसन्न रहना है तो
प्रशन्सा सुनने की इच्छा का
त्याग कर दो

In order to remain
constantly happy,
renounce any desire
to hear your praise



**परमात्मा बाप से
और ईश्वरीय
परिवार से प्यार हो
तो सफलता
मिलती रहेगी।**



When we do something for people,
Let us not feel we are doing it FOR THEM.

I am doing it because
This relationship is special FOR ME
Their happiness is important FOR ME
I am doing it FOR MY happiness.

'FOR THEM' is followed by expectations
'FOR ME' radiates happiness and love.



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org